सही बातें
जरूरत

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण 108 आदित्यसागरजी

कृति का नाम

सही बातें
जरूरत

संस्करण
2023 : 1100 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान
भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्सब, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
जरूरत

किसी भी
कड़वी बात को
हसकर, मुस्कुराकर कहें,
ऐसा करने से
आपके कड़वे वचन भी
मीठे लगें गे
ठीक ही है
चासनी के साथ
दी गई कड़वी औषध भी
मीठी लगती है,
लेकिन
अपना काम जरूर करती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

कुछ लोग
सलाह देने के इच्छुक होते हैं,
उनसे मेरा कहना है
सलाह तभी दें
जब कोई उसे माँगे
और
सलाह तो दें पर उसे थोपे नहीं,
क्योंकि
बिना पूछे दी गई सलाह
वैसे ही व्यर्थ हो जाती है
जैसे नाली में
बहाया गया दूध...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जीवन
सुख से
जीना हो
तो लालच न करें,
हाय-हाय भी न करें,
जितना भी आपको मिले
उसी से संतोष करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

जरूरत

विपत्ति के काल में
तरकीब लगाना न भूलें,
चाहे वह
छोटी हो या बड़ी,
ध्यान रखें-
कई बार
छोटी तरकीब
वह कार्य कर जाती है,
जो बड़ी-बड़ी तरकीब
नहीं कर पाती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

कार्य वही करें
जो आपके योग्य हो,
कार्य वही करें
जिसका परिणाम मंगलमय हो,
क्योंकि
हर काम में
हाथ डालने का परिणाम
अच्छा नहीं होता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो संभलकर नहीं चलता
वह मंज़िल के
नज़दीक पहुँचकर भी
नीचे गिरता जाता है,
इसलिये
मंज़िल निकट होने पर
सतर्कता बढ़ा देना चाहिये

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जब आपसे छोटा
बड़े कार्य की आकांक्षायें करे
तो उसे
मौका अवश्य दें,
यदि वह सफल हो
तो उसको प्रोत्साहित करें,
यदि असफल हो जाये
तो उसके
पुरुषार्थ की सराहना करें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर आपके अंदर
कोई बुरी आदत
उत्पन्न हो रही हो
तो उसे प्रारंभ में ही
वश में करें,
अन्यथा
वह विशाल नदी का रूप
धारण कर लेगी,
फिर उसको रोकना
असंभव हो जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दूसरों के
दोषों को देखना
दुनिया का सबसे
सरल कार्य है,
और
दूसरों के
गुणों को देखना
सबसे कठिन कार्य है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

विनम्र लोग
सदैव ही
सम्मान प्राप्त करते हैं,
लेकिन
घमण्डी लोगों को
तिरस्कार ही प्राप्त होता है;
इसलिये
घमण्ड घटायें
विनम्रता बढायें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो वस्तु
आपको अच्छी लगे
वह आपके लिये अच्छी ही हो
यह जरूरी नहीं है,
इसलिये
जो अच्छा लगता हो
उसकी जगह
जो अच्छा हो
उसे ग्रहण करें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

निंदा
विश्व का
सबसे खोटा कार्य है,
भले ही आप निंदा करें
अथवा निंदा सुनें
वह आपको
और
आपके भावों को,
वचनों को,
गुणों को
हीन करती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो सावधानी हम
कार्य बिगड़ने के बाद दिखाते हैं,
अगर
वही सावधानी
कार्य करते समय दिखाई जाये
तो कार्य कभी नहीं बिगड़ेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

ज्ञानी लोग
निठल्ले और बेकार लोगों की
परवाह नहीं करते,
अपितु
उनकी उपेक्षा करके
अपने कार्य में लीन रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

कोई
आपके बारे में
कैसा ही सोचे,
आप उसके बारे में
हमेशा अच्छा ही सोचें
क्योंकि
अच्छी सोच
अच्छे व्यक्ति की पहचान है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

सज्जन कभी
सज्जनता नहीं छोड़ते हैं
और
दुर्जन
दिखें भी सज्जन
तो भी
सज्जन नहीं होते,
दुर्जन ही होते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो लोग
पढ़ाई तो करना चाहते हैं,
परंतु
परीक्षा से डरते हैं,
वे लोग
जीवन भर असफल ही रहते हैं,
क्योंकि
परीक्षा होने पर ही
ज्ञान और व्यक्ति
प्रमाणित होते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

सच्चा मित्र बनना
सरल नहीं है,
क्योंकि
जो संकटों में काम आये,
जो हमारी कमियाँ सुधारे,
जो पतन से बचाये,
जो सही सलाह दे,
जो भले ही लगे प्रतिकूल
पर हो अनुकूल
वही है सच्चा मित्र है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर बुद्धि है
तो छोटे से
इशारे से भी
बात की गहराई तक
पहुँचा जा सकता है,
अगर बुद्धि नहीं है
तो बड़े-बड़े व्याख्यान भी
कुछ नहीं कर सकते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अकसर
जिन्हें हम शत्रु मानते हैं
वे मित्र निकलते हैं,
और
जिन्हें हम मित्र मानते हैं
वे शत्रु निकलते हैं,
वास्तविकता में
यह हमारे
गलत निर्णय का प्रतिफल है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जैसे लकड़ी में
धीरे–धीरे घुन लगती है,
वैसे ही
हमारे अंदर
व्यसन रूपी घुन लग जाती है,
जो थोड़े ही समय में
हमारे गुणरूपी वृक्ष को
खोखला कर देती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

समस्या का समाधान
बुद्धि और युक्ति से करें
न कि तुक्के से,
क्योंकि
कई बार तुक्कों से
समस्यायें भी बढ़ जाती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

मूर्खों से
समझदारी की अपेक्षा
मूर्खता ही है,
इसलिये
मूर्खों से दूरी रखें
और
किसी भी काम की
अपेक्षा न करें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

कई बार मैंने
कुटिल और दुर्जन लोगों को
समझाने का प्रयास किया,
वे तो नहीं सुधरे
लेकिन मैं ही बिगड़ने लगा
तब से मैंने
ऐसे लोगों से दूरियाँ बढ़ा ली,
क्योंकि
रास्ता कितना ही अच्छा हो
साँप कभी भी
सीधा नहीं चल सकता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

हर परिस्थितियों के लिये
तैयार रहें
जो भी करें,
पूरे दिल से करें,
दोष लगाने की जगह
गलतियों को सुधारें,
हर किसी को
खुश करने की कोशिश न करें,
ये वो
कुछ सफलता के रहस्य हैं;
जो मैंने अनुभव किये हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

जरूरत

अच्छे लोग
जो कुछ भी करते हैं
वह सब अच्छा लगता है,
इससे
यह ध्वनित होता है
कार्य विशेष न भी हो,
पर
करने वाला विशेष हो
तो कार्य भी विशेष हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

बड़े लोगों से
बड़ा ही
सोच-समझकर बोलना चाहिये,
क्योंकि
गलत बात का ज़वाब
वे बड़े ही
सही ढ़ंग से देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

धोखा देना
अच्छा नहीं है
और
धोखा खाना भी
अच्छा नहीं है,
धोखा देना न देना
आपके हाथ में है,
और
धोखा खाना न खाना भी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

हमारे काम
ऐसे होना चाहिये
जिससे लोग खुश होते हों
और
अपने गमों को
भूल जाते हों,
जिस काम से
आपके साथ-साथ
और भी लोग खुश हों
वो ही तो
महान् काम हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

महान लोग अपने मुख से
कभी भी
अपनी महानता का बखान
नहीं करते हैं,
उनका स्वभाव
उनके काम ही
उनकी महानता का
बखान करते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जब कोई
मुसीबत में हो
तो उसकी सहायता
दिल खोलकर करें,
ऐसे मौक बार-बार नहीं आते;
कहते हैं-
मुसीबत में
काम आने वाले पर
कभी भी मुसीबत नहीं आती...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अपने बारे में सबसे ज़्यादा
आप ही जानते हैं,
इसलिये
अपने सुधार के लिये
दूसरे से सलाह न लेकर
खुद से सलाह लेना चाहिये,
सुधार आपको ही करना है
और वह भी अपना ही...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

सफल व्यक्तियों के साथ–साथ
असफल व्यक्तियों से भी मिलें,
सफल व्यक्ति से
सफलता के राज सीखें
और
असफल व्यक्ति से
असफलता के कारण सीखें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

सफल होने पर
जो सरलता छोड़ दे
वह असफल ही है,
असफल होने पर भी
जो सरल है
वही सफल है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दर्द के दिनों में
आँसू बहाना ठीक है,
दूसरों को
दर्द बताना ठीक नहीं है,
लोग
हसी तो करेंगे
मगर
दर्द नहीं बाँटेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जिन्होंने
बड़ी–बड़ी लड़ाइया जीती हों
उन्हें
छोटी–मोटी लड़ाइयों पर
ज़्यादा ध्यान देना चाहिये,
क्योंकि
हार चाहे छोटी हो या बड़ी
मनोबल को गिरा देती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दूसरों की कमज़ोरियों पर
इशारा करना आसान है,
पर
अपनी एक गलती को
सुधारना बहुत कठिन है,
इशारा करने में
थोड़ा ही समय जाता है,
पर
अपनी एक गलती सुधारने में
जीवन लग जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

हमारे आस-पास रहने वाले
या
घूमने वाले लोगों की
आंतरिक परिस्थितियों को
हम नहीं जानते हैं,
इसीलिये
हम उनसे चिढ़ते हैं,
जिस दिन हम
उनकी परिस्थितियों को जान लेंगे
उस दिन से हम
चिढ़ने की बज़ाय
उन्हें चाहने लगेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दु:ख और क्लेश
हमारी प्रगति में बाधक है
और
सुख और क्षान्ति
हमारी प्रगति में साधक है,
इसीलिये
दु:ख और क्लेश को
हटाने का
सुख और क्षान्ति को बढ़ाने का
प्रयास होना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

कुछ लोग
दूसरों को तो समझाते हैं
परन्तु
स्वयं कुछ भी नहीं समझते हैं,
ऐसे लोग समझाकर
दूसरों के काम तो बना देते हैं,
परन्तु
स्वयं ना समझ होने के कारण
अपना काम बिगाड़ लेते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

किसी भी
व्यक्ति के जीवन में
जितना महत्त्वपूर्ण
व्यवहार है,
उतना ही महत्त्वपूर्ण
चारित्र भी है;
व्यवहार
बाहरी दुनिया को
प्रभावित करता है
और
चारित्र
आंतरिक दुनिया को ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दुविधा का आना
बड़ी बात नहीं है,
दुविधा को
सामान्य रूप में लेना
बड़ी बात है;
दुविधा को
जीवन के उत्थान का
सु-अवसर मानिये,
तभी आप बड़े बन पायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

जरूरत

जिन्हें
निर्णय लेना नहीं आता
वो लोग रोते रहते हैं
और
अपने अमूल्य जीवन को
खोते रहते हैं,
जिन्हें भी
जीवन के निर्माण की इच्छा हो,
उन्हें निर्णय लेने की
क्षमता को बढ़ाना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दुनिया को नहीं
खुद को देखना प्रारंभ करें,
क्योंकि
आप केवल अपने आपको
और
अपने नज़रिये को
सुधार सकते हैं,
दुनिया और
दुनिया के नज़रिये को नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

किसी भी
कार्य के परिणामों पर चिंतन करें,
इसके बाद ही उसे करें,
ध्यान रखें –
जिन कार्यों का
परिणाम अच्छा नहीं है,
उन कार्यों को
करना भी अच्छा नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दुनिया की सोच से
न तो आप चलते हैं
न ही आपकी सोच से
दुनिया चलती है,
चलते सभी
अपनी सोच से ही हैं,
फिर भी
न जाने क्यों?
आप
दुनिया के बारे में सोचते रहते हैं
और
दुनिया आपके बारे में...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो बातें आप दूसरों में
देखना चाहते हैं,
वो ही बातें
दूसरे भी आप में
देखना चाहते हैं,
इसलिये
सुधार का उपदेश देते समय
यह भी ख्यान रखिये–
आप स्वयं सुधरे हैं या नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जीवन को
और भी सुंदर बनाने के लिये
आप जीते जी
अपने मरने का चिंतन करें,
और सोचें-
मरने के बाद
आप अपने
पुत्र, मित्र, पत्नी या
अन्य संबंधियों से
अपने लिये
जो भी सुनना चाहते हैं
वैसा जीवन जी रहे हैं या नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

आपका भविष्य
आपके ही हाथों में है
दूसरों के हाथों में नहीं,
दूसरे तो मात्र
आपको देखेंगे
आपकी चर्चा करेंगे,
मगर
जीना आपको ही पड़ेगा ;
इसीलिये
दूसरों को मत देखिये
अपने भविष्य के लिये
कुछ अवश्य करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर आप
तरक्की और शांति चाहते हैं
तो दोष देने की
आदत को छोड़िये
और
गलतियों को स्वीकारने की
आदत को जोड़िये;
दोष देने से बात बढ़ेगी
और
गलती स्वीकारने से
तरक्की बढ़ेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

सभ्य लोग
सभी का सम्मान करते हैं
चाहे वह
नुकसान कराने वाला शत्रु हो
या फिर
फायदा कराने वाला मित्र,
कूड़ा उठानेवाला
साधारण व्यक्ति हो
या फिर
प्रधानमंत्री जैसा
देश का सबसे विशेष व्यक्ति...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

हज़ारों लोगों के
कल्याण के लिये
परिश्रम करने की अपेक्षा,
किसी एक व्यक्ति के
कल्याण का प्रयास करना
श्रेष्ठ है,
अगर
एक व्यक्ति का
भविष्य अच्छा हो गया
तो वह लाखों का
भविष्य अच्छा कर सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

प्रेम से
दिलों को जीता जाता है
और
क्रोध से
दिलों को तोड़ा जाता है,
इसीलिये
प्रेम को जोड़िये
क्रोध को छोड़िये,
तभी
लोग आपसे जुड़े रहेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

आकांक्षायें हैं
तो सुखी जीवन
संभव नहीं है
और
संतोष है
तो दु:खी जीवन
संभव नहीं है,
अत:
आकांक्षा दु:ख का
और
संतोष सुख का
साधन है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

आपके जीवन का निर्माण
और
सुचारू रूप से उसका संचालन
बहुत हद तक
आपके नज़रिये पर भी
निर्भर करता है,
अगर
नज़रिया अच्छा है
तो बुरी बातें
बुरी चीज़ें भी
अच्छी लगती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

आप
स्वयं के जीवन का निर्माण
अपने विचारों
और
भावनाओं से ही करते हैं,
आप जो भी सोचते हैं
महसूस करते हैं,
उसी से आपके जीवन की
हर घटना,
हर परिस्थिति,
हर अनुभव,
हर विकास का निर्माण होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जिन्हें आप चाहते हैं
उन्हीं के बारे में आपका रवैया
सकारात्मक होता है,
जिन्हें आप नहीं चाहते हैं
उनके बारे में आपका रवैया
नकारात्मक हो जाता है;
इसीलिये
सकारात्मक सोच के लिये
मनचाही चीज़ों के बारे में ही
विचार कीजिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

समाज हो
या फिर मित्र–संबंधी जन,
जो भी आपसे जुड़ता है
आपके बर्ताव के ही कारण
जुड़ता है
और
जो भी आपसे टूटता है
आपके बर्ताव के ही कारण
टूटता है;
ध्यान रखें–
आपके बर्ताव पर ही
आपकी छवि निर्भर करती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

कुछ लोगों को
बगुले का शिकार करना पसंद है
और
कुछ लोगों को
उसका उड़ना,
कुछ लोगों को
बुलबुल का गाना पसंद है
और
कुछ लोगों को उसे खाना,
इसीलिये तो कहा है –
इंसान में भेद
उसकी सोच से होता है
सूरत से नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

उदारता
छोटे लोगों में
भरपूर होती है,
मगर
बड़े लोगों में
बहुत कम होती है
यह दुनिया का
अज़ब ही नाटक है;
जिसके पास कुछ है
वो कुछ देना नहीं चाहता
और
जिसके पास कुछ नहीं है
वो सब कुछ लुटाना चाहता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

भोजन का मज़ा तब है
जब उसमें नमक हो
और
जीवन का मज़ा तब है
जब उसमें त्याग हो;
बिना नमक के भोजन से
पेट तो भर जाता है,
पर
आनंद नहीं आता;
वैसे ही
बिना त्याग का जीवन
जिया तो जाता है
पर आनंद नहीं आता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

खाना-पीना,
घर बनाना,
यह सब काम
मनुष्य और पशु दोनों कर लेते हैं,
मगर
एक धर्म ही है
जो दोनों में अंतर डालता है,
इसीलिये
धर्म करें
वही आपकी पहचान है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

आपके जीवन में
सुख के दिन
बहुत ही कम आते हैं,
लेकिन आप चाहें
तो सुख के दिनों की यादों में
जीवन भर सुखी रह सकते हैं,
इसी प्रकार दु:ख के दिन भी
जीवन में बहुत नहीं आते,
लेकिन आप
दु:ख के दिनों को याद करके
जीवन भर दु:खी रह सकते हैं;
सुखी-दु:खी रहना
वास्तविकता में
आपके ही हाथों में है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अधिक लाड़
आपके बच्चों को
बिगाड़ सकता है
और
अधिक डाँट
आपके बच्चों को
आपसे दूर कर सकती है,
इसीलिये
लाड़ भी दें
और
डाँट भी;
मगर सीमा में ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर आपके पास
कोई विद्या है
तो बिना पूछे
किसी को भी
उसके बारे में मत बताइये
और
अगर कोई
उस विद्या को माँगे
तो फिर छिपाइये मत,
क्योंकि
विद्या बीज की तरह है
जितना गाड़ेंगे
उतनी बढ़ेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

किसी के सोचने से
आपका बुरा-भला नहीं होगा
न ही आपके सोचने से
किसी का बुरा-भला होगा,
बुरा-भला
बुरे-भले कर्मों से होगा;
इसीलिये
बुरा नहीं चाहते हों
तो बुरा न करें
और
भला चाहते हों
तो भला करने में न चूकें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो कुछ भी आपके पास है
उसे देखकर
खुश मत होना,
वह किसी न किसी के
पास से आया है
और
जो कुछ भी आपके पास नहीं है;
उसके बारे में
सोच-सोच कर
रोना भी मत,
वो जिसके भी पास है
सदा वहाँ नहीं रहेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

चित्रों पर तो
कई लोग छप जाते हैं
पर
लोगों के चित्तों पर
कुछ विरले ही छप पाते हैं,
चित्रों पर छपे
तो निकल जाते हैं,
पर
चित्तों पर छपे
कभी नहीं निकलते,
इसीलिये
कुछ ऐसा करें
जिससे आप
लोगों के चित्तों पर छप जायें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

धर्म करने से
दु:खों का आना तो नहीं रुकेगा,
मगर
धर्म आपको
उन दु:खों से
जूझने का साहस अवश्य देगा,
अगर आप
जुनून और जूझने की शक्ति
बढ़ाना चाहते हों;
तो धर्म अवश्य करें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अच्छे भाव करके
आप ऊँचाइयों को छू सकते हैं
और
बुरे भाव करके
आप ऊँचाइयों से गिर सकते हैं,
इसीलिये
आपकी तरक्की की
सबसे बड़ी रुकावट
कोई और नहीं आप ही हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जरूरी नहीं
आप जो कुछ भी सोचें
जो कुछ भी करें
वह सब सही हो,
और
यह भी जरूरी नहीं
जो कुछ भी सही हो
आप उसे सोच पायें
या उसे कर पायें,
इसीलिये
अपनी सोच या करनी को ही
सही मत मानिये
और भी कुछ
सही हो सकता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर आप सत्य हैं
तो लोग आपको
परेशान कर सकते हैं
पीड़ित भी कर सकते हैं
पर
पराजित नहीं कर सकते हैं;
क्योंकि
सत्य को
पराजित करने की ताकत
परमात्मा में भी नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

समझदार व्यक्ति से
की गई चर्चा
अनुभवों से भरी होती है,
इसलिये
जब भी कोई समझदार मिले
उसके अनुभवों के खजानों से
अपनी बुद्धि के पिटारे को भरने में
देर मत लगाना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर आप किसी को
खुशियाँ देंगे
तो आपको भी खुशी ही मिलेंगी
और
गम देंगे
तो गम ही मिलेगा,
क्योंकि
कर्मों का लेखा-जोखा
बहुत मज़बूत है;
अपने समय में
वह जमा किया गया पुण्य-पाप
सूत सहित लौटाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

दिल टूट जाये
तो कोई गम मत करना,
बल्कि
टूटे दिल के साथ
जीने की आदत डाल लेना
और सोचना-
जब दिल तोड़ने वाला
दुःखी नहीं है,
तो मैं व्यर्थ में
दुःखी क्यों होऊँ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अपने अंदर
ऐसे गुणों को उत्पन्न करें
जो बहुत कम लोगों के पास हो,
क्योंकि
दुनिया में देखा जाता है
जो चीज़ें कम होती हैं
उनकी कीमत ज़्यादा होती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

समय की कमी
दो ही लोगों को महसूस होती,
पहले वो
जो समय का ज़्यादा
उपयोग करते हैं
और
दूसरे वो
जो समय का दुरुपयोग करते हैं;
अगर आप भी
समय की कमी महसूस करते हैं,
तो अपना कारण स्वयं ढूँढ़ लें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

इस दुनिया में
अकसर ये देखा जाता है,
जिन्हें भी
चाह होती है प्रशंसा की
उनमें अभाव होता है योग्यता का
और
जिनमें होती हैं योग्यतायें
उन्हें कभी प्रशंसा के
भाव नहीं होते...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

सबसे बलवान
समय होता है,
वो राजा को रंक
और
रंक को राजा बना देता है,
इसलिये
समय
को अच्छा बनाने का पुरुषार्थ करें,
क्योंकि
समय के आगे
किसी की नहीं चलती...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

अगर आप
संकल्प के धनी हैं,
तो परिस्थितियाँ
आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकती हैं,
क्योंकि
संकल्प की दीवार के सामने
सारी परिस्थितियाँ
बौनी पड़ जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

किसी भी काम को
प्रारंभ करने में
डरें नहीं,
कुछ अच्छा हो या न हो
कम से कम
गलतियाँ तो होंगी
और
जितनी गलतियाँ होंगी
हार के उतने रास्ते
बंद होते जायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

खुश रहने के लिये
देने की आदत डालिये
और
दु:खी रहने के लिये
लेने की आदत डालिये;
लेना पराधीन है
इसलिये दु:ख का कारण है
और
देना स्वाधीन है
इसलिये सुख का कारण है

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

रिश्तों की डोर
बनाये रखने के लिये
दिल और दिमाग
दोनों को तंदुरुस्त रखना पड़ता है,
अगर आप
दिल के काम दिल से
और
दिमाग के काम दिगाम से करेंगे;
तो न ही काम बिगड़ेंगे
न ही रिश्ते टूटेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

पहनावे में
सुंदरता को मत खोजिये,
पहनावा सुंदरता नहीं है
पहवाना तो दिखावा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

जरूरत

बहुत सी
भीतरी समस्याओं के उपाय
हम बाहर खोजते हैं,
शायद इसीलिये
वे समस्यायें
स्थायी हो जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

आदर्शवादी बनना
अच्छी बात है,
परंतु
रूढ़िवादी बनना
अच्छी बात नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जीवन में
कष्ट कितने ही हों,
परंतु
इच्छा शक्ति के आगे
सब बौने हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

जो लोग
हार के डर से
पीछे मुड़ जाते हैं,
वो लोग
कभी भी
जीत नहीं पाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

हर जीत के बाद
नई दौड़ की तैयारी करना
वे ही जानते हैं,
जिनके जीवन में
नयी-नयी जीत लिखी होती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

पढ़ने की
आदत डालें,
पढ़ने से
आपके जीवन में
खालीपन की जगह
हमेशा भरी रहती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जरूरत

क्षमता बढ़ाने के लिये
सहनशीलता बढ़ाइये,
सहनशीलता बढ़ते ही
क्षमता तो बढ़ेगी ही
आपके प्रति
सहानुभूतियाँ भी अवश्य बढ़ेंगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर